बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

विजय कुमार चौधरी, मंत्री, शिक्षा विभाग ने आज दिनांक 18.06.2021 को बताया कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक की वार्षिक परीक्षा, 2021 की परीक्षा संपन्न कराकर परीक्षाफल प्रकाशित किया जा चुका है। विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए अब कम्पार्टमेंटल परीक्षा का आयोजन होना था, लेकिन कोविड–19 महामारी के कारण उत्पन्न विषम परिस्थिति के चलते आगामी 2–3 माह में भी कम्पार्टमेंटल परीक्षा कराया जाना संभव प्रतीत नहीं होता है।

दूसरी ओर, अगर 2–3 माह बाद कम्पार्टमेंटल परीक्षा का आयोजन किया भी जाता है तो परीक्षाफल का प्रकाशन अक्टूबर–नवंबर माह के पहले संभव नहीं हो पायेगा। फलस्वरूप विद्यार्थियों को इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने का लाभ भी नहीं मिल पायेगा और कम्पार्टमेंटल परीक्षा में शामिल होने की पात्रता रखने वाले विद्यार्थियों के भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना थी।

उपरोक्त परिस्थिति में छात्रहित के मद्देनजर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक परीक्षा, 2021 में एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को अपवादस्वरूप कुछ अतिरिक्त ग्रेस अंक देकर उत्तीर्ण करने की समिति के प्रस्ताव से शिक्षा विभाग ने सहमति प्रदान की है।

इस क्रम में मंत्री, शिक्षा विभाग ने घोषणा किया कि इस निर्णय के तहत अतिरिक्त ग्रेस से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का परीक्षाफल तैयार कर लिया गया है जो समिति के वेबसाइट http://results.biharboardonline.com पर दिनांक 19.06.2021 के अपराह्न 05:00 बजे से उपलब्ध रहेगा, जिसपर विद्यार्थी अपना रिजल्ट देख सकेंगे। इस अवसर पर संजय कुमार, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग एवं आनन्द किशोर, अध्यक्ष बिहार विद्यालय परीक्षा समिति भी उपस्थित थे।

वार्षिक परीक्षा 2021 के पूर्व में घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा के नतीजे में 13,40,267 विद्यार्थी में से 10,48,846 विद्यार्थी यानि 78.26 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए थे। एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण छात्रों को अतिरिक्त ग्रेस अंक दिए जाने के इस निर्णय से अब कुल 97,474 विद्यार्थी (कला संकाय में 53,939 विद्यार्थी, वाणिज्य संकाय में 1,814 विद्यार्थी, विज्ञान संकाय में 41,691 विद्यार्थी तथा वोकेशनल में 30 विद्यार्थी) भी उत्तीर्ण हुए हैं। इस प्रकार, अब कुल उत्तीर्ण

विद्यार्थियों की संख्या 11,46,320 होती है जो सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों का 85.53 प्रतिशत हो जाता है।

इसी प्रकार, अतिरिक्त ग्रेस अंक दिए जाने के परिणामस्वरूप मैट्रिक वार्षिक परीक्षा, 2021 में एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण छात्रों में से कुल 1,21,316 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। पूर्व में मैट्रिक वार्षिक परीक्षाफल, 2021 में सम्मिलित 16,54,171 विद्यार्थियों में से 12,93,054 यानि कुल 78.17 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए थे। इस प्रकार, अब इस परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की कुल संख्या 14,14,370 हो गई है जो 85.50 प्रतिशत होता है।

इस अवसर पर मंत्री, शिक्षा विभाग ने बताया कि छात्रों के हित में लिए गए राज्य सरकार के इस निर्णय से हजारों विद्यार्थी लाभान्वित होंगे तथा कोरोना महामारी से उत्पन्न विकट स्थिति के बावजूद उनका एक वर्ष खराब नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ही पूरे देश का एकमात्र बोर्ड है जिसने इन्टरमीडिएट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा का ससमय आयोजन किया तथा उसका ससमय परिणाम जारी किया। आज सी०बी०एस०ई०, आई०सी०एस०ई० एवं अन्य राज्यों के परीक्षा बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन नहीं किए जाने के कारण मूल्यांकन के अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। पिछले वर्षों में भी समिति द्वारा ससमय इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक के परीक्षाओं का आयोजन कर नतीजे भी देश में सबसे पहले प्रकाशित किया है जो सराहनीय है।